प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम : जीवन मूल्य

1. सृष्टि : उत्पत्ति एवं विकास – सृष्टि क्या है? पृथ्वी की उत्पत्ति, पृथ्वी पर जीवन, प्राणियों की उत्पत्ति, मानव की उत्पत्ति।
2. आदि मानव – आदि मानव का युग, आदि मानव का जीवन, अन्य प्राणियों और आदि मानव में अन्तर आदि मानव की प्रारम्भिक विकास यात्रा।
3. संस्कृति एवं सभ्यता का विकास – वनस्पतियों में मानव–निवास, नगरों का विकास, सामूहिक जीवन पद्धति की विकास यात्रा, जीवनोपयोगी वस्तुओं की खोज, निर्माण एवं विकास, संस्कार एवं सभ्य जीवन की अवधारणा का विकास, संस्कृति एवं सभ्यता का जन्म, क्रमिक विकास यात्रा, देव अवधारणा का जन्म एवं विकास, पद्धतियों का जन्म एवं विकास।
4. मानव जीवन – मानव जीवन का क्रमशः बदलता अभिप्राय, जीवन उद्देश्य, पुरुषार्थ चतुण्य (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष)

जीवन–मूल्य – मानव जीवनोद्देश की प्राप्ति के साधन रूप में जीवन–मूल्य का विकास, संस्कार, धर्म की भारतीय अवधारणा, जीवन–मूल्य के रूप में धर्म के दस लक्षण, पंच महायज्ञ, प्रकृति पूजा, आत्मा एवं परमात्मा (ब्रह्म, ईश्वर, मानवेतर सत्ता इत्यादि) की अवधारणा तथा जीवन–मूल्य के सृजन में योगदान, ज्ञान–कर्म–भक्ति जीवन–मूल्य के विविध घटक।

मैं और मेरा भारत – व्यक्ति, समाज और राष्ट्र में अन्तर्सम्बन्ध, जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए भी, भारत की विविधता में एकता के साँचे में व्यक्ति, उपासना पद्धतियों और राष्ट्रीयता का अन्तर्सम्बन्ध, राष्ट्रीय एकता–अखण्डता सर्वोपरि, राष्ट्र व्यक्तिगत आस्था, उपासना एवं धर्म से बड़ा अर्थात् मैं और मेरा भारत।